




Deuteronomy 1:16

 (760) 814-1223

Notes:

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

1. By nature, we are \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_.

2. For society to survive we must \_\_\_\_\_  
our \_\_\_\_\_.


3. We expect that \_\_\_\_\_ administer  
\_\_\_\_\_ in a \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_,  
and \_\_\_\_\_ manner.

4. In the face of perfect \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_ we cannot \_\_\_\_\_.

5. We deserve \_\_\_\_\_,  
but we need \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_.



Deuteronomy 1:16

 (760) 814-1223

Notes:

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

1. By nature, we are \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_.

2. For society to survive we must \_\_\_\_\_  
our \_\_\_\_\_.

3. We expect that \_\_\_\_\_ administer  
\_\_\_\_\_ in a \_\_\_\_\_,  
and \_\_\_\_\_ manner.

4. In the face of perfect \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_ we cannot \_\_\_\_\_.

5. We deserve \_\_\_\_\_,  
but we need \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_.